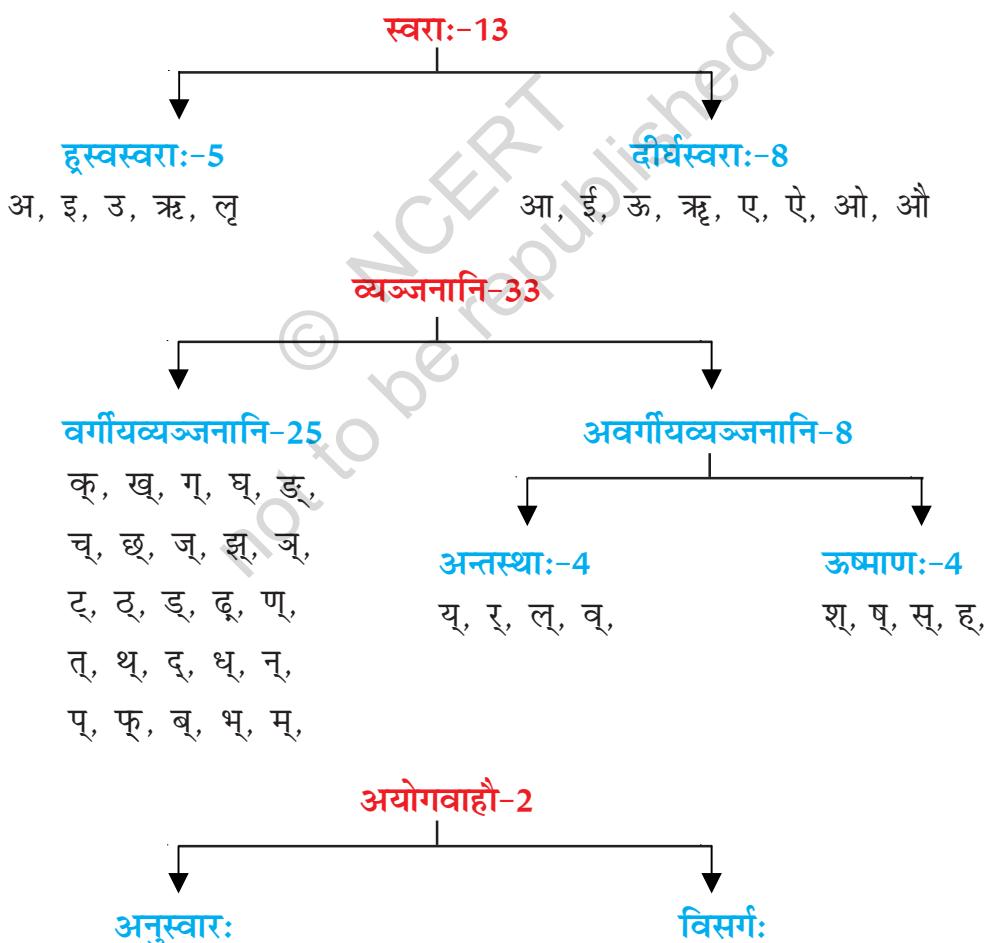


# परिशिष्टम्

## वर्णविचारः

### 1. वर्णाः:

संस्कृते इदानीं 48 वर्णानां प्रयोगः भवति। ते मुख्यतया भागत्रयेण विभक्ताः सन्ति, 1-स्वराः 2-व्यञ्जनानि 3-अयोगवाहाश्चेति, यथा-



## 2. उच्चारणस्थानानि

वर्णाभिव्यक्तिप्रदेशः स्थानं कथ्यते। शब्दप्रयोगसमये कायाग्निना प्रेरितः वायुः कण्ठादिस्थानेषु सञ्चरन् वर्णान् अभिव्यनक्ति। यथोक्तं पाणिनीयशिक्षायाम्-

आत्मा बुद्ध्या समेत्यर्थान् मनो युड्क्ते विवक्षया ।  
मनः कायाग्निमाहन्ति स प्रेरयति मारुतम् ॥  
मारुतस्तूरसि चरन् मन्दं जनयति स्वरम् ॥  
अष्टौ स्थानानि वर्णानामुरः कण्ठः शिरस्तथा ।  
जिह्वामूलं च दन्ताश्च नासिकौष्ठौ च तालु च ॥

एवम् वर्णानाम् उच्चारणस्थानानि अष्टौ सन्ति। (i) उरः (ii) कण्ठः (iii) शिरः (iv) जिह्वामूलम् (v) दन्ताः (vi) नासिका (vii) ओष्ठौ (viii) तालुः। तद्यथा-

| वर्णः                                 | उत्पन्नस्थानानि    | वर्णानां संज्ञा |
|---------------------------------------|--------------------|-----------------|
| अ, आ, क्, ख्, ग्, घ्, ड्, ह्, विसर्गः | कण्ठः              | कण्ठ्यः         |
| इ, ई, च्, छ्, ज्, झ्, ब्, य्, श्      | तालुः              | तालव्यः         |
| ऋ, ऋू, ट्, ट्, ङ्, ङ्, ए, ए, ष्       | मूर्धा             | मूर्धन्यः       |
| लृ, त्, थ्, द्, ध्, न्, ल्, स्        | दन्ताः             | दन्त्यः         |
| उ, ऊ, प्, फ्, ब्, भ्, म्              | ओष्ठौ              | ओष्ठ्यः         |
| ङ्, ज्, ण्, न्, म्                    | नासिका + कण्ठादीनि | नासिक्यः        |
| ए, ऐ                                  | कण्ठतालू           | कण्ठतालव्यः     |
| ओ, औ                                  | कण्ठोष्ठम्         | कण्ठोष्ठ्यः     |
| व                                     | दन्तोष्ठम्         | दन्त्योष्ठ्यः   |
| अनुस्वारः                             | नासिका             | नासिक्यः        |

## कारकम्

**( सामान्यपरिचयः )**

सामान्यतः षट्कारकाणि भवन्ति। यथा-

कर्ता कर्म च करणं सम्प्रदानं तथैव च ।  
अपादानाधिकरणम् इत्याहुः कारकाणि षट् ॥

- |                             |                         |                          |
|-----------------------------|-------------------------|--------------------------|
| <i>(i) कर्तृकारकम्</i>      | <i>(ii) कर्मकारकम्</i>  | <i>(iii) करणकारकम्</i>   |
| <i>(iv) सम्प्रदानकारकम्</i> | <i>(v) अपादानकारकम्</i> | <i>(vi) अधिकरणकारकम्</i> |

**कर्तृकारकम्** – स्वतन्त्रः कर्ता। क्रियायां यः स्वतन्त्रः प्रधानो वा भवति सः कर्ता। यथा-रामः ग्रामं गच्छति। अत्र गमनक्रियायां रामः स्वतन्त्रः वर्तते, अतः सः कर्तृकारकम् अस्ति। वाक्ये मुख्ये कर्तरि प्रथमा, गौणे कर्तरि च तृतीया विभक्तिः भवति। यथा-

- (क) रामः ग्रामं गच्छति।  
(ख) रामेण ग्रामः गम्यते।

**कर्मकारकम्** – कर्तुरीप्सिततमं कर्म। कर्ता स्वक्रियया यम् अर्थम् अतिशयेन प्राप्तुम् इच्छति, तत् कर्म भवति। यथा-बालकः विद्यालयं गच्छति। अत्र वाक्ये बालकः कर्ता भवति, गमनक्रियया विद्यालयः तस्य ईप्सिततमं वर्तते, अतः विद्यालय इति कर्मकारकं वर्तते, कर्मणि द्वितीया विभक्तिः, (कर्मवाच्ये) मुख्ये च प्रथमा विभक्तिः भवति, यथा-

- (क) बालकः विद्यालयं गच्छति।  
(ख) बालकेन विद्यालयः गम्यते।

**करणकारकम्** – साधकतमं करणम्। क्रियासिद्धौ यत् अतिशयेन सहायकं भवति, तत् करणं भवति, यथा-श्यामः कलमेन लिखति। अत्र कर्तुः श्यामस्य लेखनक्रियायां कलमः अतिशयेन सहायकः, अतः कलम इति करणकारकं भवति। करणे तृतीया-विभक्तिः भवति।

**सम्प्रदानकारकम्** – कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम्। कर्ता दानक्रियया यं सम्बद्धम् इच्छति, तत् सम्प्रदानं भवति। यथा-देवदत्तः भिक्षुकाय भिक्षां ददाति। अत्र कर्ता देवदत्तः



रुचिरा - द्वितीयो भागः

दानक्रियया भिक्षुकम् अभिप्रैति = सम्बद्धम् इच्छति। अतः भिक्षुकपदं सम्प्रदानकारकम्। सम्प्रदाने चतुर्थी-विभक्तिः भवति।

**अपादानकारकम्** – ध्रुवमपायेऽपादानम्। अपाये = विभागे, यत् ध्रुवम् = अवधिभूतम् तत् अपादानं भवति, यथा- वृक्षात् फलं पतति। अत्र फलस्य विभागः वृक्षात् भवति, अतः वृक्षः ध्रुवः इति अपादानकारकम्। अपादाने पञ्चमी-विभक्तिः भवति।

**अधिकरणकारकम्** – आधारोऽधिकरणम्। कर्तृकर्मनिष्ठक्रियायाः आधारभूतं यत् वर्तते, तत् अधिकरणं भवति, यथा- विद्यालये छात्राः पठन्ति। अत्र कर्तुः पठनक्रियायाः आधारः विद्यालयः अधिकरणकारकम्। अधिकरणे सप्तमी-विभक्तिः भवति।

### उपपदविभक्तिः

पदम् आश्रित्य या विभक्तिः सा उपपदविभक्तिः। यथा-

|        |   |   |
|--------|---|---|
| उभयतः  | = | दोनों तरफ (द्वितीया) नदीम् उभयतः वृक्षाः सन्ति।                   |
| परितः  | = | चारों तरफ (द्वितीया) विद्यालयं परितः प्राचीरम् अस्ति।             |
| सर्वतः | = | सभी तरफ (द्वितीया) ग्रामं सर्वतः कृषिक्षेत्राणि सन्ति।            |
| प्रति  | = | की ओर (द्वितीया) छात्रः विद्यालयं प्रति गच्छति।                   |
| निकषा  | = | समीप में (द्वितीया) विद्यालयं निकषा उद्यानम् अस्ति।               |
| धिक्   | = | निन्दा (द्वितीया) मूर्खं धिक्।                                    |
| सह     | = | सहित (तृतीया) बालिका बालकेन सह खेलति।                             |
| विना   | = | अतिरिक्त (तृतीया/पञ्चमी/द्वितीया) ज्ञानेन विना जीवनं वृथा।        |
| अलम्   | = | वारण (तृतीया) विवादेन अलम्।<br>समर्थ (चतुर्थी) मल्लः मल्लाय अलम्। |
| नमः    | = | नमस्कार (चतुर्थी) पितृदेवाय नमः।                                  |
| बहिः   | = | बाहर (पञ्चमी) विद्यालयात् बहिः बालकाः खेलन्ति।                    |
| उपरिः  | = | ऊपर (षष्ठी) वृक्षस्य उपरि मर्कटाः क्रीडन्ति।                      |
| अधः    | = | नीचे (षष्ठी) वृक्षस्य अधः पथिकः उपविशति।                          |
| अन्तः  | = | भीतर (षष्ठी) विद्यालयस्य अन्तः छात्राः पठन्ति।                    |

## शब्दरूपाणि

**सर्वनाम-शब्दः  
एतत् ( पुंलिङ्गे )**

| विभक्तिः | एकवचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|----------|-----------|----------|
| प्रथमा   | एषः      | एतौ       | एते      |
| द्वितीया | एतम्     | एतौ       | एतान्    |
| तृतीया   | एतेन     | एताभ्याम् | एतैः     |
| चतुर्थी  | एतस्मै   | एताभ्याम् | एतेभ्यः  |
| पञ्चमी   | एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्यः  |
| षष्ठी    | एतस्य    | एतयोः     | एतेषाम्  |
| सप्तमी   | एतस्मिन् | एतयोः     | एतेषु    |

**एतत् ( स्त्रीलिङ्गे )**

| विभक्तिः | एकवचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|----------|-----------|----------|
| प्रथमा   | एषा      | एते       | एताः     |
| द्वितीया | एताम्    | एते       | एताः     |
| तृतीया   | एतया     | एताभ्याम् | एताभिः   |
| चतुर्थी  | एतस्यै   | एताभ्याम् | एताभ्यः  |
| पञ्चमी   | एतस्याः  | एताभ्याम् | एताभ्यः  |
| षष्ठी    | एतस्याः  | एतयोः     | एतासाम्  |
| सप्तमी   | एतस्याम् | एतयोः     | एतासु    |

**एतत् ( नपुंसकलिङ्गे )**

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | एतत्    | एते       | एतानि    |
| द्वितीया | एतत्    | एते       | एतानि    |



## रुचिरा - द्वितीयो भागः

|         |          |           |         |
|---------|----------|-----------|---------|
| तृतीया  | एतेन     | एताभ्याम् | एतैः    |
| चतुर्थी | एतस्मै   | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| पञ्चमी  | एतस्मात् | एताभ्याम् | एतेभ्यः |
| षष्ठी   | एतस्य    | एतयोः     | एतेषाम् |
| सप्तमी  | एतस्मिन् | एतयोः     | एतेषु   |

विशेषः— सर्वनामशब्दानां सम्बोधने रूपाणि न भवन्ति।

### तत् ( पुँलिङ्गे )

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | सः      | तौ        | ते       |
| द्वितीया | तम्     | तौ        | तान्     |
| तृतीया   | तेन     | ताभ्याम्  | तैः      |
| चतुर्थी  | तस्मै   | ताभ्याम्  | तेभ्यः   |
| पञ्चमी   | तस्मात् | ताभ्याम्  | तेभ्यः   |
| षष्ठी    | तस्य    | तयोः      | तेषाम्   |
| सप्तमी   | तस्मिन् | तयोः      | तेषु     |

### तत् ( स्त्रीलिङ्गे )

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | सा      | ते        | ताः      |
| द्वितीया | ताम्    | ते        | ताः      |
| तृतीया   | तया     | ताभ्याम्  | ताभिः    |
| चतुर्थी  | तस्यै   | ताभ्याम्  | ताभ्यः   |
| पञ्चमी   | तस्याः  | ताभ्याम्  | ताभ्यः   |
| षष्ठी    | तस्याः  | तयोः      | तासाम्   |
| सप्तमी   | तस्याम् | तयोः      | तासु     |

### तत् ( नपुंसकलिङ्गे )

| विभक्ति: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | तत्     | ते        | तानि     |
| द्वितीया | तत्     | ते        | तानि     |
| तृतीया   | तेन     | ताभ्याम्  | तैः      |
| चतुर्थी  | तस्मै   | ताभ्याम्  | तेभ्यः   |
| पञ्चमी   | तस्मात् | ताभ्याम्  | तेभ्यः   |
| षष्ठी    | तस्य    | तयोः      | तेषाम्   |
| सप्तमी   | तस्मिन् | तयोः      | तेषु     |

### किम् ( पुँलिङ्गे )

| विभक्ति: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | कः      | कौ        | के       |
| द्वितीया | कम्     | कौ        | कान्     |
| तृतीया   | केन     | काभ्याम्  | कैः      |
| चतुर्थी  | कस्मै   | काभ्याम्  | केभ्यः   |
| पञ्चमी   | कस्मात् | काभ्याम्  | केभ्यः   |
| षष्ठी    | कस्य    | कयोः      | केषाम्   |
| सप्तमी   | कस्मिन् | कयोः      | केषु     |

### किम् ( स्त्रीलिङ्गे )

| विभक्ति: | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | का      | के        | काः      |
| द्वितीया | काम्    | के        | काः      |
| तृतीया   | कया     | काभ्याम्  | काभिः    |



## रुचिरा - द्वितीयो भागः

|         |         |          |        |
|---------|---------|----------|--------|
| चतुर्थी | कस्यै   | काभ्याम् | काभ्यः |
| पञ्चमी  | कस्याः  | काभ्याम् | काभ्यः |
| षष्ठी   | कस्याः  | कयोः     | कासाम् |
| सप्तमी  | कस्याम् | कयोः     | कासु   |

## किम् (नपुंसकलिङ्गे)

| विभक्तिः | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------|---------|-----------|----------|
| प्रथमा   | किम्    | के        | कानि     |
| द्वितीया | किम्    | के        | कानि     |
| तृतीया   | केन     | काभ्याम्  | कैः      |
| चतुर्थी  | कस्मै   | काभ्याम्  | केभ्यः   |
| पञ्चमी   | कस्मात् | काभ्याम्  | केभ्यः   |
| षष्ठी    | कस्य    | कयोः      | केषाम्   |
| सप्तमी   | कस्मिन् | कयोः      | केषु     |

## इकारान्त-स्त्रीलिङ्ग-शब्दः मति

| विभक्तिः  | एकवचनम्     | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|-----------|-------------|-----------|----------|
| प्रथमा    | मतिः        | मती       | मतयः     |
| द्वितीया  | मतिम्       | मती       | मतीः     |
| तृतीया    | मत्या       | मतिभ्याम् | मतिभिः   |
| चतुर्थी   | मत्यै/मतये  | मतिभ्याम् | मतिभ्यः  |
| पञ्चमी    | मत्याः/मतेः | मतिभ्याम् | मतिभ्यः  |
| षष्ठी     | मत्याः/मतेः | मत्योः    | मतीनाम्  |
| सप्तमी    | मत्याम्/मतौ | मत्योः    | मतिषु    |
| सम्बोधनम् | हे मते!     | हे मती!   | हे मतयः! |

एवमेव गति-स्थिति-शक्ति-प्रीति-कृति-इत्यादीनाम् इकारान्त-स्त्रीलिङ्ग-शब्दानां रूपाणि भवन्ति।

## ईकारान्त-स्त्रीलिङ्ग-शब्दः

नदी

| विभक्तिः  | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
|-----------|---------|-----------|-----------|
| प्रथमा    | नदी     | नद्यौ     | नद्यः     |
| द्वितीया  | नदीम्   | नद्यौ     | नदीः      |
| तृतीया    | नद्या   | नदीभ्याम् | नदीभिः    |
| चतुर्थी   | नद्यै   | नदीभ्याम् | नदीभ्यः   |
| पञ्चमी    | नद्याः  | नदीभ्याम् | नदीभ्यः   |
| षष्ठी     | नद्याः  | नद्योः    | नदीनाम्   |
| सप्तमी    | नद्याम् | नद्योः    | नदीषु     |
| सम्बोधनम् | हे नदि! | हे नद्यौ! | हे नद्यः! |

एवमेव भगिनी-लेखनी-मानिनी-पठन्ती-इत्यादीनाम् ईकारान्त-स्त्रीलिङ्ग-शब्दानां रूपाणि भवन्ति।

## ईकारान्त-नपुंसकलिङ्ग-शब्दः

वारि

| विभक्तिः  | एकवचनम्           | द्विवचनम्  | बहुवचनम्   |
|-----------|-------------------|------------|------------|
| प्रथमा    | वारि              | वारिणी     | वारीणि     |
| द्वितीया  | वारि              | वारिणी     | वारीणि     |
| तृतीया    | वारिणा            | वारिभ्याम् | वारिभिः    |
| चतुर्थी   | वारिणे            | वारिभ्याम् | वारिभ्यः   |
| पञ्चमी    | वारिणः            | वारिभ्याम् | वारिभ्यः   |
| षष्ठी     | वारिणः            | वारिणोः    | वारीणाम्   |
| सप्तमी    | वारिणि            | वारिणोः    | वारिषु     |
| सम्बोधनम् | हे वारि! हे वारे! | हे वारिणी! | हे वारीणि! |



## रुचिरा - द्वितीयो भागः

### ऋकारान्त-पुँलिङ्ग-शब्दः पितृ

| विभक्तिः  | एकवचनम्  | द्विवचनम्  | बहुवचनम्  |
|-----------|----------|------------|-----------|
| प्रथमा    | पिता     | पितरौ      | पितरः     |
| द्वितीया  | पितरम्   | पितरौ      | पितृन्    |
| तृतीया    | पित्रा   | पितृभ्याम् | पितृभिः   |
| चतुर्थी   | पित्रे   | पितृभ्याम् | पितृभ्यः  |
| पञ्चमी    | पितुः    | पितृभ्याम् | पितृभ्यः  |
| षष्ठी     | पितुः    | पित्रोः    | पितृणाम्  |
| सप्तमी    | पितरि    | पित्रोः    | पितृषु    |
| सम्बोधनम् | हे पितः! | हे पितरौ!  | हे पितरः! |

एवमेव भ्रातृ-जामातृ-देवृ (देवर)-इत्यादीनाम् ऋकारान्त-पुँलिङ्ग-शब्दानां रूपाणि भवन्ति। तृन्-तृच्-प्रत्ययान्तानां दातृ-वक्तृ-धातृ-नेतृ-इत्यादीनां तथा स्वसृ-नपृ-क्षत्रृ-होतृ-पोतृ-शब्दानां प्रथमा-द्वितीया-विभक्त्योः रूपेषु दीर्घः भवति। यथा-दाता, दातारौ दातारः। मातृशब्दस्य द्वितीया बहुवचने मातृः भवति, अन्यानि रूपाणि समानानि एव।

### उकारान्त-नपुंसकलिङ्ग-शब्दः

मधु

| विभक्तिः  | एकवचनम्         | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
|-----------|-----------------|-----------|-----------|
| प्रथमा    | मधु             | मधुनी     | मधूनि     |
| द्वितीया  | मधु             | मधुनी     | मधूनि     |
| तृतीया    | मधुना           | मधुभ्याम् | मधुभिः    |
| चतुर्थी   | मधुने           | मधुभ्याम् | मधुभ्यः   |
| पञ्चमी    | मधुनः           | मधुभ्याम् | मधुभ्यः   |
| षष्ठी     | मधुनः           | मधुनोः    | मधूनाम्   |
| सप्तमी    | मधुनि           | मधुनोः    | मधुषु     |
| सम्बोधनम् | हे मधु, हे मधो! | हे मधुनी! | हे मधूनि! |

एवमेव जानु-तालु-वस्तु-इत्यादीनाम् उकारान्त-नपुंसकशब्दानां रूपाणि भवन्ति।

## धातु-स्वपाणि

**चर् ( चलना, चरना )**

**लट्टलकारः ( वर्तमानकालः )**

|                    |         |           |          |
|--------------------|---------|-----------|----------|
| <b>पुरुषः</b>      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| <b>प्रथमपुरुषः</b> | चरति    | चरतः      | चरन्ति   |
| <b>मध्यमपुरुषः</b> | चरसि    | चरथः      | चरथ      |
| <b>उत्तमपुरुषः</b> | चरामि   | चरावः     | चरामः    |

**लृट्टलकारः ( भविष्यत्कालः )**

|                    |           |           |            |
|--------------------|-----------|-----------|------------|
| <b>पुरुषः</b>      | एकवचनम्   | द्विवचनम् | बहुवचनम्   |
| <b>प्रथमपुरुषः</b> | चरिष्यति  | चरिष्यतः  | चरिष्यन्ति |
| <b>मध्यमपुरुषः</b> | चरिष्यसि  | चरिष्यथः  | चरिष्यथ    |
| <b>उत्तमपुरुषः</b> | चरिष्यामि | चरिष्यावः | चरिष्यामः  |

**लड्डलकारः ( अतीतकालः )**

|                    |         |           |          |
|--------------------|---------|-----------|----------|
| <b>पुरुषः</b>      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| <b>प्रथमपुरुषः</b> | अचरत्   | अचरताम्   | अचरन्    |
| <b>मध्यमपुरुषः</b> | अचरः    | अचरतम्    | अचरत     |
| <b>उत्तमपुरुषः</b> | अचरम्   | अचराव     | अचराम    |

**लोट्टलकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )**

|                    |         |           |          |
|--------------------|---------|-----------|----------|
| <b>पुरुषः</b>      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| <b>प्रथमपुरुषः</b> | चरतु    | चरताम्    | चरन्तु   |
| <b>मध्यमपुरुषः</b> | चर      | चरतम्     | चरत      |
| <b>उत्तमपुरुषः</b> | चराणि   | चराव      | चराम     |



रुचिरा - द्वितीयो भागः

### विधिलिङ्गकारः ( विधिः/सम्भावना )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | चरेत्   | चरेताम्   | चरेयुः   |
| मध्यमपुरुषः | चरे:    | चरेतम्    | चरेत्    |
| उत्तमपुरुषः | चरेयम्  | चरेव      | चरेम्    |

एवमेव हस, चल, खेल, खाद्, धाव, रक्ष, पूज, कूद्, पत्, भ्रम, लिख्, गम् (गच्छ), पठ्, क्रीड्-इत्यादीनां धातूनां रूपाणि भवन्ति।

### कृ ( करना )

#### लट्टकारः ( वर्तमानकालः )

|             |         |           |           |
|-------------|---------|-----------|-----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
| प्रथमपुरुषः | करोति   | कुरुतः    | कुर्वन्ति |
| मध्यमपुरुषः | करोषि   | कुरुथः    | कुरुथ     |
| उत्तमपुरुषः | करोमि   | कुर्वः    | कुर्मः    |

#### लट्टकारः ( भविष्यत्कालः )

|             |           |           |            |
|-------------|-----------|-----------|------------|
| पुरुषः      | एकवचनम्   | द्विवचनम् | बहुवचनम्   |
| प्रथमपुरुषः | करिष्यति  | करिष्यतः  | करिष्यन्ति |
| मध्यमपुरुषः | करिष्यसि  | करिष्यथः  | करिष्यथ    |
| उत्तमपुरुषः | करिष्यामि | करिष्यावः | करिष्यामः  |

#### लट्टकारः ( अतीतकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | अकरोत्  | अकुरुताम् | अकुर्वन् |
| मध्यमपुरुषः | अकरोः   | अकुरुतम्  | अकुरुत   |
| उत्तमपुरुषः | अकरवम्  | अकुर्व    | अकुर्म   |

### लोट्लकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )

|             |         |           |           |
|-------------|---------|-----------|-----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
| प्रथमपुरुषः | करोतु   | कुरुताम्  | कुर्वन्तु |
| मध्यमपुरुषः | कुरु    | कुरुतम्   | कुरुत     |
| उत्तमपुरुषः | करवाणि  | करवाव     | करवाम     |

### विधिलिङ्गलकारः ( विधिः/सम्भावना )

|             |          |            |          |
|-------------|----------|------------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्  | द्विवचनम्  | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | कुर्यात् | कुर्याताम् | कुर्युः  |
| मध्यमपुरुषः | कुर्या:  | कुर्यातम्  | कुर्यात् |
| उत्तमपुरुषः | कुर्याम् | कुर्याव    | कुर्याम  |

वस् ( रहना )

### लट्लकारः ( वर्तमानकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | वसति    | वसतः      | वसन्ति   |
| मध्यमपुरुषः | वससि    | वसथः      | वसथ      |
| उत्तमपुरुषः | वसामि   | वसावः     | वसामः    |

### लृट्लकारः ( भविष्यत्कालः )

|             |           |           |            |
|-------------|-----------|-----------|------------|
| पुरुषः      | एकवचनम्   | द्विवचनम् | बहुवचनम्   |
| प्रथमपुरुषः | वत्स्यति  | वत्स्यतः  | वत्स्यन्ति |
| मध्यमपुरुषः | वत्स्यसि  | वत्स्यथः  | वत्स्यथ    |
| उत्तमपुरुषः | वत्स्यामि | वत्स्यावः | वत्स्यामः  |



## रुचिरा - द्वितीयो भागः

### लड्लकारः ( अतीतकालः )

|                     |                |                  |                 |
|---------------------|----------------|------------------|-----------------|
| <b>पुरुषः:</b>      | <b>एकवचनम्</b> | <b>द्विवचनम्</b> | <b>बहुवचनम्</b> |
| <b>प्रथमपुरुषः:</b> | अवस्त्         | अवस्ताम्         | अवसन्           |
| <b>मध्यमपुरुषः:</b> | अवसः           | अवस्तम्          | अवसत्           |
| <b>उत्तमपुरुषः:</b> | अवसम्          | अवसाव            | अवसाम           |

### लोट्लकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )

|                     |                |                  |                 |
|---------------------|----------------|------------------|-----------------|
| <b>पुरुषः:</b>      | <b>एकवचनम्</b> | <b>द्विवचनम्</b> | <b>बहुवचनम्</b> |
| <b>प्रथमपुरुषः:</b> | वस्तु          | वस्ताम्          | वसन्तु          |
| <b>मध्यमपुरुषः:</b> | वस             | वस्तम्           | वसत्            |
| <b>उत्तमपुरुषः:</b> | वसानि          | वसाव             | वसाम            |

### विधिलिङ्ग्लकारः ( विधि:/सम्भावना )

|                     |                |                  |                 |
|---------------------|----------------|------------------|-----------------|
| <b>पुरुषः:</b>      | <b>एकवचनम्</b> | <b>द्विवचनम्</b> | <b>बहुवचनम्</b> |
| <b>प्रथमपुरुषः:</b> | वसेत्          | वसेताम्          | वसेयुः          |
| <b>मध्यमपुरुषः:</b> | वसेः           | वसेतम्           | वसेत            |
| <b>उत्तमपुरुषः:</b> | वसेयम्         | वसेव             | वसेम            |

### दृश् ( पश्य ) देखना

### लट्लकारः ( वर्तमानकालः )

|                     |                |                  |                 |
|---------------------|----------------|------------------|-----------------|
| <b>पुरुषः:</b>      | <b>एकवचनम्</b> | <b>द्विवचनम्</b> | <b>बहुवचनम्</b> |
| <b>प्रथमपुरुषः:</b> | पश्यति         | पश्यतः           | पश्यन्ति        |
| <b>मध्यमपुरुषः:</b> | पश्यसि         | पश्यथः           | पश्यथ           |
| <b>उत्तमपुरुषः:</b> | पश्यामि        | पश्यावः          | पश्यामः         |

### लृट्लकारः ( भविष्यत्कालः )

|                     |                |                  |                 |
|---------------------|----------------|------------------|-----------------|
| <b>पुरुषः:</b>      | <b>एकवचनम्</b> | <b>द्विवचनम्</b> | <b>बहुवचनम्</b> |
| <b>प्रथमपुरुषः:</b> | द्रक्ष्यति     | द्रक्ष्यतः       | द्रक्ष्यन्ति    |
| <b>मध्यमपुरुषः:</b> | द्रक्ष्यसि     | द्रक्ष्यथः       | द्रक्ष्यथ       |
| <b>उत्तमपुरुषः:</b> | द्रक्ष्यामि    | द्रक्ष्यावः      | द्रक्ष्यामः     |

### लड्लकारः ( अतीतकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | अपश्यत् | अपश्यताम् | अपश्यन्  |
| मध्यमपुरुषः | अपश्यः  | अपश्यतम्  | अपश्यत   |
| उत्तमपुरुषः | अपश्यम् | अपश्याव   | अपश्याम  |

### लोट्लकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पश्यतु  | पश्यताम्  | पश्यन्तु |
| मध्यमपुरुषः | पश्य    | पश्यतम्   | पश्यत    |
| उत्तमपुरुषः | पश्यानि | पश्याव    | पश्याम   |

### विधिलिङ्गलकारः ( विधिः/सम्भावना )

|             |          |           |          |
|-------------|----------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पश्येत्  | पश्येताम् | पश्येयुः |
| मध्यमपुरुषः | पश्ये:   | पश्येतम्  | पश्येत   |
| उत्तमपुरुषः | पश्येयम् | पश्येव    | पश्येम   |

### स्था ( तिष्ठ ) ठहरना

### लट्लकारः ( वर्तमानकालः )

|             |          |           |           |
|-------------|----------|-----------|-----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
| प्रथमपुरुषः | तिष्ठति  | तिष्ठतः   | तिष्ठन्ति |
| मध्यमपुरुषः | तिष्ठसि  | तिष्ठथः   | तिष्ठथ    |
| उत्तमपुरुषः | तिष्ठामि | तिष्ठावः  | तिष्ठामः  |



रुचिरा - द्वितीयो भागः

### लृद्लकारः ( भविष्यत्कालः )

|             |            |            |             |
|-------------|------------|------------|-------------|
| पुरुषः      | एकवचनम्    | द्विवचनम्  | बहुवचनम्    |
| प्रथमपुरुषः | स्थास्यति  | स्थास्यतः  | स्थास्यन्ति |
| मध्यमपुरुषः | स्थास्यसि  | स्थास्यथः  | स्थास्यथ    |
| उत्तमपुरुषः | स्थास्यामि | स्थास्यावः | स्थास्यामः  |

### लड़्लकारः ( अतीतकालः )

|             |          |            |          |
|-------------|----------|------------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्  | द्विवचनम्  | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | अतिष्ठत् | अतिष्ठताम् | अतिष्ठन् |
| मध्यमपुरुषः | अतिष्ठः  | अतिष्ठतम्  | अतिष्ठत  |
| उत्तमपुरुषः | अतिष्ठम् | अतिष्ठाव   | अतिष्ठाम |

### लोट्लकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )

|             |          |           |           |
|-------------|----------|-----------|-----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
| प्रथमपुरुषः | तिष्ठतु  | तिष्ठताम् | तिष्ठन्तु |
| मध्यमपुरुषः | तिष्ठ    | तिष्ठतम्  | तिष्ठत    |
| उत्तमपुरुषः | तिष्ठानि | तिष्ठाव   | तिष्ठाम   |

### विधिलिङ्ग्लकारः ( विधिः/सम्भावना )

|             |           |            |           |
|-------------|-----------|------------|-----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्   | द्विवचनम्  | बहुवचनम्  |
| प्रथमपुरुषः | तिष्ठेत्  | तिष्ठेताम् | तिष्ठेयुः |
| मध्यमपुरुषः | तिष्ठे:   | तिष्ठेतम्  | तिष्ठेत   |
| उत्तमपुरुषः | तिष्ठेयम् | तिष्ठेव    | तिष्ठेम   |

### पच् ( पकाना )

लृट्लकारः ( वर्तमानकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पचति    | पचतः      | पचन्ति   |
| मध्यमपुरुषः | पचसि    | पचथः      | पचथ      |
| उत्तमपुरुषः | पचामि   | पचावः     | पचामः    |

लृट्लकारः ( भविष्यत्कालः )

|             |           |           |            |
|-------------|-----------|-----------|------------|
| पुरुषः      | एकवचनम्   | द्विवचनम् | बहुवचनम्   |
| प्रथमपुरुषः | पक्ष्यति  | पक्ष्यतः  | पक्ष्यन्ति |
| मध्यमपुरुषः | पक्ष्यसि  | पक्ष्यथः  | पक्ष्यथ    |
| उत्तमपुरुषः | पक्ष्यामि | पक्ष्यावः | पक्ष्यामः  |

लृट्लकारः ( अतीतकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | अपचत्   | अपचताम्   | अपचन्    |
| मध्यमपुरुषः | अपचः    | अपचतम्    | अपचत     |
| उत्तमपुरुषः | अपचम्   | अपचाव     | अपचाम    |

लोट्लकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पचतु    | पचताम्    | पचन्तु   |
| मध्यमपुरुषः | पच      | पचतम्     | पचत      |
| उत्तमपुरुषः | पचानि   | पचाव      | पचाम     |



रुचिरा - द्वितीयो भागः

### विधिलिङ्गकारः ( विधिः/सम्भावना )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पचेत्   | पचेताम्   | पचेयुः   |
| मध्यमपुरुषः | पचे:    | पचेतम्    | पचेत्    |
| उत्तमपुरुषः | पचेयम्  | पचेव      | पचेम     |

### पा ( पिब् ) पीना

#### लट्टलकारः ( वर्तमानकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पिबति   | पिबतः     | पिबन्ति  |
| मध्यमपुरुषः | पिबसि   | पिबथः     | पिबथ     |
| उत्तमपुरुषः | पिबामि  | पिबावः    | पिबामः   |

#### लट्टलकारः ( भविष्यत्कालः )

|             |          |           |           |
|-------------|----------|-----------|-----------|
| पुरुषः      | एकवचनम्  | द्विवचनम् | बहुवचनम्  |
| प्रथमपुरुषः | पास्यति  | पास्यतः   | पास्यन्ति |
| मध्यमपुरुषः | पास्यसि  | पास्यथः   | पास्यथ    |
| उत्तमपुरुषः | पास्यामि | पास्यावः  | पास्यामः  |

#### लड्डलकारः ( अतीतकालः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | अपिबत्  | अपिबताम्  | अपिबन्   |
| मध्यमपुरुषः | अपिबः   | अपिबतम्   | अपिबत    |
| उत्तमपुरुषः | अपिबम्  | अपिबाव    | अपिबाम   |

## लोट्लकारः ( अनुज्ञा/आदेशः )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पिबतु   | पिबताम्   | पिबन्तु  |
| मध्यमपुरुषः | पिब     | पिबतम्    | पिबत     |
| उत्तमपुरुषः | पिबानि  | पिबाव     | पिबाम    |

## विधिलिङ्गलकारः ( विधिः/सम्भावना )

|             |         |           |          |
|-------------|---------|-----------|----------|
| पुरुषः      | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
| प्रथमपुरुषः | पिबेत्  | पिबेताम्  | पिबेयुः  |
| मध्यमपुरुषः | पिबे:   | पिबेतम्   | पिबेत    |
| उत्तमपुरुषः | पिबेयम् | पिबेव     | पिबेम    |

## संख्यावाचकशब्दाः

|    |              |    |                            |
|----|--------------|----|----------------------------|
| १  | एकः          | ११ | एकादश                      |
| २  | द्वौ         | १२ | द्वादश                     |
| ३  | त्रयः        | १३ | त्रयोदश                    |
| ४  | चत्वारः      | १४ | चतुर्दश                    |
| ५  | पञ्च         | १५ | पञ्चदश                     |
| ६  | षट्          | १६ | षोडश                       |
| ७  | सप्त         | १७ | सप्तदश                     |
| ८  | अष्ट/अष्ट्यै | १८ | अष्टादश                    |
| ९  | नव           | १९ | नवदश/एकोनविंशतिः/ऊनविंशतिः |
| १० | दश           | २० | विंशतिः                    |

## रुचिरा - द्वितीयो भागः

|    |                            |    |                                   |
|----|----------------------------|----|-----------------------------------|
| २१ | एकविंशतिः                  | ४१ | एकचत्वारिंशत्                     |
| २२ | द्वाविंशतिः                | ४२ | द्विचत्वारिंशत्                   |
| २३ | त्रयोविंशतिः               | ४३ | त्रयश्चत्वारिंशत्/त्रिचत्वारिंशत् |
| २४ | चतुर्विंशतिः               | ४४ | चतुश्चत्वारिंशत्                  |
| २५ | पञ्चविंशतिः                | ४५ | पञ्चचत्वारिंशत्                   |
| २६ | षट्विंशतिः                 | ४६ | षट्चत्वारिंशत्                    |
| २७ | सप्तविंशतिः                | ४७ | सप्तचत्वारिंशत्                   |
| २८ | अष्टाविंशतिः               | ४८ | अष्टचत्वारिंशत्/अष्टाचत्वारिंशत्  |
| २९ | नवविंशतिः/एकोनत्रिंशत्     | ४९ | नवचत्वारिंशत्/एकोनपञ्चाशत्        |
| ३० | त्रिंशत्                   | ५० | पञ्चाशत्                          |
| ३१ | एकत्रिंशत्                 | ५१ | एकपञ्चाशत्                        |
| ३२ | द्वात्रिंशत्               | ५२ | द्वापञ्चाशत्/द्विपञ्चाशत्         |
| ३३ | त्रयस्त्रिंशत्             | ५३ | त्रयःपञ्चाशत्/त्रिपञ्चाशत्        |
| ३४ | चतुस्त्रिंशत्              | ५४ | चतुःपञ्चाशत्                      |
| ३५ | पञ्चत्रिंशत्               | ५५ | पञ्चपञ्चाशत्                      |
| ३६ | षट्पत्रिंशत्               | ५६ | षट्पञ्चाशत्                       |
| ३७ | सप्तत्रिंशत्               | ५७ | सप्तपञ्चाशत्                      |
| ३८ | अष्टात्रिंशत्              | ५८ | अष्टापञ्चाशत्/अष्टपञ्चाशत्        |
| ३९ | नवत्रिंशत्/एकोनचत्वारिंशत् | ५९ | नवपञ्चाशत्/एकोनषष्ठिः             |
| ४० | चत्वारिंशत्                | ६० | षष्ठिः                            |

|    |                           |     |                        |
|----|---------------------------|-----|------------------------|
| ६१ | एकषष्टि:                  | ८१  | एकाशीति:               |
| ६२ | द्वाषष्टि:/द्विषष्टि:     | ८२  | द्व्यशीति:             |
| ६३ | त्रयषष्टि:/त्रिषष्टि:     | ८३  | त्र्यशीति:             |
| ६४ | चतुषष्टि:                 | ८४  | चतुरशीति:              |
| ६५ | पञ्चषष्टि:                | ८५  | पञ्चाशीति:             |
| ६६ | षट्षष्टि:                 | ८६  | षडशीति:                |
| ६७ | सप्तषष्टि:                | ८७  | सप्ताशीति:             |
| ६८ | अष्टाषष्टि:/अष्टषष्टि:    | ८८  | अष्ट्याशीति:           |
| ६९ | नवषष्टि:/एकोनसप्तति:      | ८९  | नवाशीति:/एकोननवति:     |
| ७० | सप्तति:                   | ९०  | नवति:                  |
| ७१ | एकसप्तति:                 | ९१  | एकनवति:                |
| ७२ | द्वासप्तति:/द्विसप्तति:   | ९२  | द्वानवति:/द्विनवति:    |
| ७३ | त्रिसप्तति:/त्रयस्सप्तति: | ९३  | त्रयोनवति:/त्रिनवति:   |
| ७४ | चतुर्सप्तति:              | ९४  | चतुर्नवति:             |
| ७५ | पञ्चसप्तति:               | ९५  | पञ्चनवति:              |
| ७६ | षट्सप्तति:                | ९६  | षण्णवति:               |
| ७७ | सप्तसप्तति:               | ९७  | सप्तनवति:              |
| ७८ | अष्टासप्तति:/अष्टसप्तति:  | ९८  | अष्ट्यानवति:/अष्टनवति: |
| ७९ | नवसप्तति:/एकोनाशीति:      | ९९  | नवनवति:/एकोनशतम्       |
| ८० | अशीति:                    | १०० | शतम्                   |



## पूरणवाचकशब्दः

|    | पुँलिङ्गे | स्त्रीलिङ्गे | नपुँसकलिङ्गे |
|----|-----------|--------------|--------------|
| १  | प्रथमः    | प्रथमा       | प्रथमम्      |
| २  | द्वितीयः  | द्वितीया     | द्वितीयम्    |
| ३  | तृतीयः    | तृतीया       | तृतीयम्      |
| ४  | चतुर्थः   | चतुर्थी      | चतुर्थम्     |
| ५  | पञ्चमः    | पञ्चमी       | पञ्चमम्      |
| ६  | षष्ठः     | षष्ठी        | षष्ठम्       |
| ७  | सप्तमः    | सप्तमी       | सप्तमम्      |
| ८  | अष्टमः    | अष्टमी       | अष्टमम्      |
| ९  | नवमः      | नवमी         | नवमम्        |
| १० | दशमः      | दशमी         | दशमम्        |